INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF HUMANITIES AND INTERDISCIPLINARY STUDIES
(Peer-reviewed, Refereed, Indexed & Open Access Journal)
DOI : 03.2021-11278686 ISSN : 2582-8568 IMPACT FACTOR : 8.428 (SJIF 2026)

शैक्षिक उछाल (Academic Buoyancy) और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

(Academic Buoyancy and the National Education Policy (NEP 2020): An Analytical Study)

नितिन माहेश्वरी
शोध छात्र (शिक्षाशास्त्र),
राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय,
अलीगढ़, (उत्तर प्रदेश, भारत)
E-mail: nitinmaheshwariphd.edu@gmail.com

डॉ. सुधा राजपूत
प्रोफेसर, (शिक्षक-शिक्षा विभाग)
श्री वार्ष्णेय कॉलेज, अलीगढ़
सम्बद्ध:- राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय,
अलीगढ़, (उत्तर प्रदेश, भारत)

DOI No. 03.2021-11278686 DOI Link :: https://doi-ds.org/doilink/09.2026-24935795/IRJHIS2609009

शोध सार :

प्रस्तुत शोध पत्र शैक्षिक उछाल और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सैद्दांतिक एवं व्यावहारिक सम्बन्धों का विश्लेषण करता है | शैक्षिक उछाल छात्रों के स्कूली जीवन में प्रतिदिन आने वाली कठिनाईयों का सामना करने से है | यह छात्रों की उस दैनिक क्षमता को दर्शाता है जिसके माध्यम से वे अपनी पढाई के दौरान आने वाली चुनौतियों, असफलताओं से उबरते हैं | राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पुरानी शिक्षा पद्धति (10+2+3) को (5+3+3+4) से बदलती है | इसमें रटन्त अधिगम के स्थान पर व्यावहारिक समझ को महत्व दिया जाता है | यह शिक्षा नीति एक बहुविषयक, छात्र-केन्द्रित, स्व अधिगम के साथ तनाव मुक्त वातावरण के निर्माण पर बल देती है | यह शोध पत्र शैक्षिक उछाल के 5 मुख्य घटकों 5C – आत्मविश्वास, समन्वय, नियंत्रण, आत्म-संयम (मानसिक संतुलन) और प्रतिबद्ता एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख स्तम्भ (360 डिग्री मूल्यांकन, बहुविषयक, बहुप्रवेश व निकासी प्रणाली) आदि को सुद्रढ़ करते हैं |

मुख्य शब्द : *शैक्षिक उछाल **(Academic Buoyancy)** और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020)*

प्रस्तावना :

वर्तमान युग में छात्रों का शैक्षिक जीवन तीव्र तकनीकी विकास, उच्च अपेक्षा, निरंतर मूल्यांकन का दबाव, कठिन प्रतिस्पर्धा आदि से घिरा हुआ है | इस वातावरण में छात्रों का न केवल शैक्षिक रूप से उत्कृष्ट होना आवश्यक है, बल्कि नैतिक एवं सामाजिक रुप से द्रढ़ होना भी अनिवार्य है | इस प्रक्रिया में सबसे महत्पूर्ण पहलू मानसिक दृढ़ता है जो कि छात्र के शैक्षिक जीवन के लिए अति आवश्यक है | इसी मानसिक द्रढ़ता को मार्टिन और मार्श ने 2008 में शैक्षिक उछाल (Academic Buoyancy) का नाम दिया और इस विषय पर अनेक शोध किये | उन्होंने स्पष्ट किया कि शैक्षिक उछाल छात्रों की उस दैनिक क्षमता को दर्शाता है जिसके माध्यम से वे अपनी सामान्य और रोजमर्रा की शैक्षिक बाधाओं व समस्याओं से सफलतापूर्वक उबरते हैं और अपनी पढाई को बिना रूकावट के जारी रखते हैं | यह अवधारणा शैक्षिक लचीलापन (Academic Resilience) से भिन्न है; जहाँ लचीलापन अर्थात Resilience गंभीर और पुराणी प्रतिकूलताओं (जैसे- आर्थिक

संकट, गंभीर बीमारी या आघात आदि) से निपटने से सम्बंधित है, वहीँ शैक्षिक उछाल छात्र के दैनिक जीवन में आने वाली सामान्य कठिनाईयों से उबरने की क्षमता से सम्बन्धित है |

भारतीय पृष्ठभूमि में पारम्परिक शिक्षा प्रणाली रटन्त प्रणाली अधिगम (Rote Learning), व्यक्तिनिष्ठ मूल्यांकन, अंकों के केन्द्रीकरण एवं विषय वर्गों में पाठ्यक्रम के विभाजन के कारण अत्यधिक आलोचना के केंद्र में रही है | यह पारम्परिक ढांचा शिक्षा को अधिक लचीला एवं व्यावहारिक बनाने के बजाय उसमें विफलता और परेशानी के डर को बढ़ाता था | इस समस्या के समाधान के लिए भारत सरकार द्वारा NEP 2020 को देश की तीसरी शिक्षा नीति के रूप में प्रस्तुत किया गया |

NEP 2020 देश की शिक्षा प्रणाली में एक युगान्तकारी परिवर्तन है | यह शिक्षा नीति पूर्व की नीति में ज्ञानार्जन एवं रटन्त अधिगम के महत्व को कम करते हुए छात्र के समग्र विकास पर केन्द्रित है | इस शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि NEP 2020 के शैक्षिक सुधार किस प्रकार छात्रों में शैक्षिक उछाल को बढ़ावा देने में सहायक हैं |

शैक्षिक उछाल : वैचारिक ढांचा

शैक्षिक उछाल के बारे में मार्टिन और मार्श ने 2008 में बताया कि इसके 5 प्रमुख घटक हैं | जिन्हें 5C के नाम से जाना जाता है -

1. आत्मविश्वास (Confidence) : यह चुनौतियों का सामना करने की आन्तरिक शक्ति से सम्बंधित है |
2. समन्वय (Coordination) : इसका सम्बन्ध समय प्रबंधन और योजना निर्माण की क्षमता से है |
3. नियंत्रण (Control) : यह स्वयं के प्रयासों को मानने से सम्बंधित है |
4. आत्मसंयम (Composure) : इसका सम्बन्ध कठिन परिस्थितियों में भी मानसिक संतुलन एवं बनाये रखने से है |
5. प्रतिबद्धता (Commitment) : इसका प्रत्यक्ष सम्बन्ध निरंतरता और दृढ़ता से है |

NEP 2020 (व्यावहारिक कार्य योजना) :

NEP 2020 का मूल उद्देश्य पाठ्यक्रम के तौर-तरीकों में परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह छात्रों के समग्र विकास (Holistic Development) से सम्बंधित है | यह छात्रों को अपने पसंद के विभिन्य संकायों के विषयों को चुनने, छूटे हुए क्रेडिट या कोर्स की पुनः प्राप्ति, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन आदि सुविधाएँ प्रदान करती है जिससे छात्र इस लचीले एव तनाव मुक्त वातारण से अपने आप को जुड़ा हुआ महसूस करते हैं |

NEP 2020 और शैक्षिक उछाल का अंतर्संबंध :

NEP 2020 के प्रमुख प्रावधान और शैक्षिक उछाल के 5 घटकों का अंतर्संबंध निम्न लिखित है –

1. व्यावहारिक शिक्षा और आत्मविश्वास : NEP 2020 में कक्षा 6 से ही व्यावसायिक शिक्षा और इंटर्नशिप को अनिवार्य करके छात्रों के आत्मविश्वास को बढाती है, जिससे वे वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनते है |
2. मल्टीपल एंट्री और एग्जिट सिस्टम एवं प्रतिबद्ता : इस सुविधा के माध्यम से छात्र बीच में अपनी छूटी हुई पढाई को पुनः शुरू कर सकते हैं और अपने कोर्स क्रेडिट को अकादमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट में जमा कर सकते हैं इससे उनके भीतर शिक्षा के प्रति प्रतिबद्ता जीवित रहती है |
3. बहुविषयक दृष्टिकोण और नियंत्रण : बहुविषयक द्रष्टिकोण के माध्यम से छात्र अपनी रूचि के विभिन्य स्ट्रीम के विषयों को पढ़ सकते हैं जिससे विषय चयन की स्वतंत्रता उन्हें अपनी पढाई पर नियंत्रण की भावना जाग्रत करती है |

4. सतत और व्यापक मूल्यांकन एवं आत्मसंयम : NEP 2020 ने 360 डिग्री समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Report) और योग्यता आधारित मूल्यांकन की वकालत की है जिससे छात्रों में परीक्षा का भय कम होता है और उनमे आत्मसंयम बढ़ता है |
5. सैद्दांतिक और व्यावहारिक ज्ञान के मध्य समन्वय : NEP 2020 में सैद्दान्तिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक ज्ञान पर अधिक जोर दिया जाता है अर्थात् दोनों प्रकार के ज्ञान में बेहतर समन्वय से छात्र का अधिगम स्थायी होता हैं जिससे उनकी उपलब्धि भी बढ़ती है |

मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से विश्लेषण :

NEP 2020 छात्रों में अपने ज्ञान को सुविधानुसार अर्जित करने का अवसर पदन करती है जिससे छात्र जीवन के किसी भी काल में अपने करियर को आगे बढ़ा सकते हैं और विकास कर सकते हैं | इससे छात्रों में शैक्षिक समस्याओं एवं परेशानियों से उबरने की शक्ति का विकास हो जाता है और वे स्वयं अपनी समस्याओं का समाधान करने में सक्षम हो जाते हैं |

चुनौतियाँ और क्रियान्वयन :

NEP 2020 और उनके पहलुओं के क्रियान्वयन में कुछ चुनौतियाँ भी हैं जिसमें संसाधनों की कमी एक महत्पूर्ण पहलू है | इसके अतिरिक्त प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी हमारे देश के विद्यालयों में पहले से ही है | इस नीति को जन-जन तक पहुचाने एवं लोगों के बीच लोकप्रिय होने में समय के साथ जन भागीदारी की भी आवश्यकता है | ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच की खाई और शिक्षा व्यवस्था को लचीला बनाना एक बढ़ी चुनौती है |

निष्कर्ष :

34 वर्षों के लम्बे अन्तराल के बाद आई शिक्षा नीति एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार करती है जो छात्रों को सैद्दांतिक ज्ञान से बाहर निकालकर उनमें व्यावहारिक द्रष्टिकोण का विकास करती है | जिससे छात्र मानसिक रूप से मजबूत बनते हैं और उनमें आत्मविश्वास, आत्मनियंत्रण, समन्वय जैसे गुणों का विकास होता है और वे अपनी शैक्षिक समस्याओं एवं चुनौतियों का सामना भी स्वयं कर पाते हैं |

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :

1. गुप्ता, एस.पी. (2018), मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा , इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन |
2. मालवीय, राजीव (2012), शिक्षा के मूल सिद्दांत, शारदा पुस्तक भवन : इलाहबाद |
3. एन.सी.एफ. (2005), राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रुपरेखा, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद : नई दिल्ली |
4. गुप्ता, एस.पी. एवं गुप्ता, अलका (2020), राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, एक सरल परिचय, शारदा पुस्तक भवन : प्रयागराज |
5. पाठक, पी.डी. (2013), भारतीय समाज में शिक्षा व शिक्षक | विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा |
6. गुप्ता, एस.पी. एवं गुप्ता, अलका (2014), उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन : इलाहबाद |
7. सिंह, अरुण कुमार, (2012), मनोविज्ञान, समाजशास्त्र एवं शिक्षा में शोध विधियाँ, मोतीलाल बनारसीदास : दिल्ली |
8. ओड़, एल.के. (2010), शिक्षा की दार्शनिक पृष्ठभूमि, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी : जयपुर |
9. पाठक, पी.डी. (2010), शैक्षिक मनोविज्ञान | विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा |
10. Martin, A.J. & Marsh, H.W. (2009), Academic Resilience and Academic Buoyancy : Multidimensional

and hierarchical conceptual framing of causes, correlates and cognate constructs, Oxford Review of Education, 35(3),353-370 https://doi.org/10.1080/03054980902934639

11. Martin, A.J. & Marsh, H.W. (2008), Academic Buoyancy: Towards an understanding of student's everyday academic resilience. Journal of school psychology, 46(1), 53-83. https://doi.org/10.1016/jsp.2007.01.002

Weblink:

12. https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_final_English_0.pdf
13. https://shodhganga.inflibnet.ac.in/
14. https://hi.wikipedia.org
15. https://www.researchgate.net/publication/379899178_Teacher_Education_in_india_challenges_and_suggestions
16. https://shodhgangotri.inflibnet.ac.in/

International Research Journal of Humanities and Interdisciplinary Studies
IRJHIS